२६/८/१७ पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थीगण व स्वंय प्रार्थीगण हाजीर नहीं। बार-बार आवाज लगाई गई। बार-बार आवाज लगाने पर भी ना तो वकील प्रार्थीगण हाजीर और ना ही प्रार्थीगण स्वयं हाजीर। अतः प्रार्थना पत्र को अदम हाजरी अदम पैरवी में खारीज किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम होकर दाखील दफ्तर हो।

(हस्ताक्षर)

उप... उदयपुरवाटी (झुन्झुनूं)